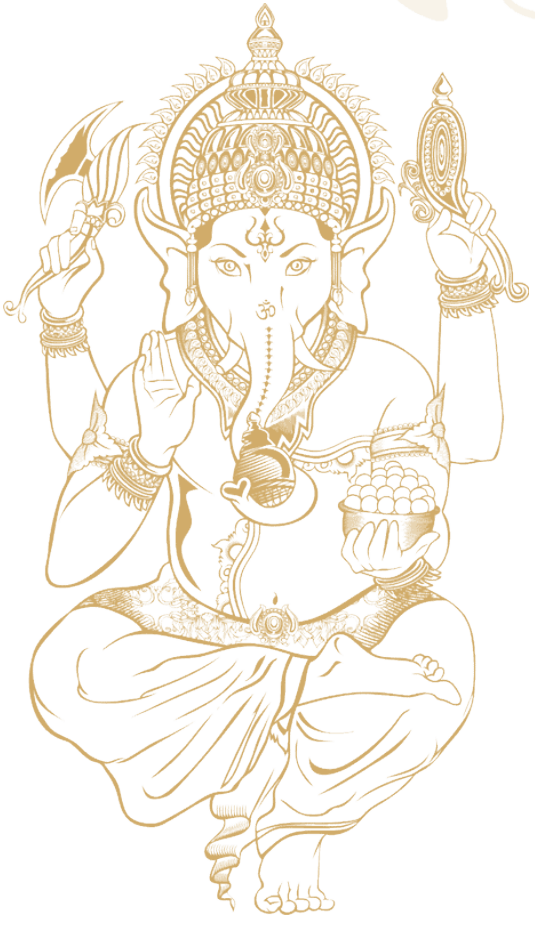

Chetan Prakash

10 Apr 2005

10:15 AM

Merta

Model: web-freekundliweb

Order No: 121921603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/04/2005**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:15:00 घंटे**
इष्ट	09:59:09 घटी
स्थान	**Merta**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:39:00 उत्तर
रेखांश	74:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:41:28 घंटे
वेलान्तर	-00:01:19 घंटे
साम्पातिक काल	22:55:33 घंटे
सूर्योदय	06:15:20 घंटे
सूर्यास्त	18:54:50 घंटे
दिनमान	12:39:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	26:29:20 मीन
लग्न के अंश	02:47:36 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:47:36	335:48:09	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मीन	26:29:20	00:58:56	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	13:15:38	13:16:01	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			मक	20:52:53	00:43:34	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध	व		मीन	08:01:06	00:11:25	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	19:12:06	00:07:37	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मीन	29:03:39	01:14:21	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि			मिथु	26:47:55	00:02:05	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु			मीन	28:49:25	00:00:03	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	28:49:25	00:00:03	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	15:11:16	00:02:47	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	---
नेप			मक	23:14:49	00:01:16	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		धनु	00:31:59	00:00:27	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	18:35:28	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:43

लग्न-चलित

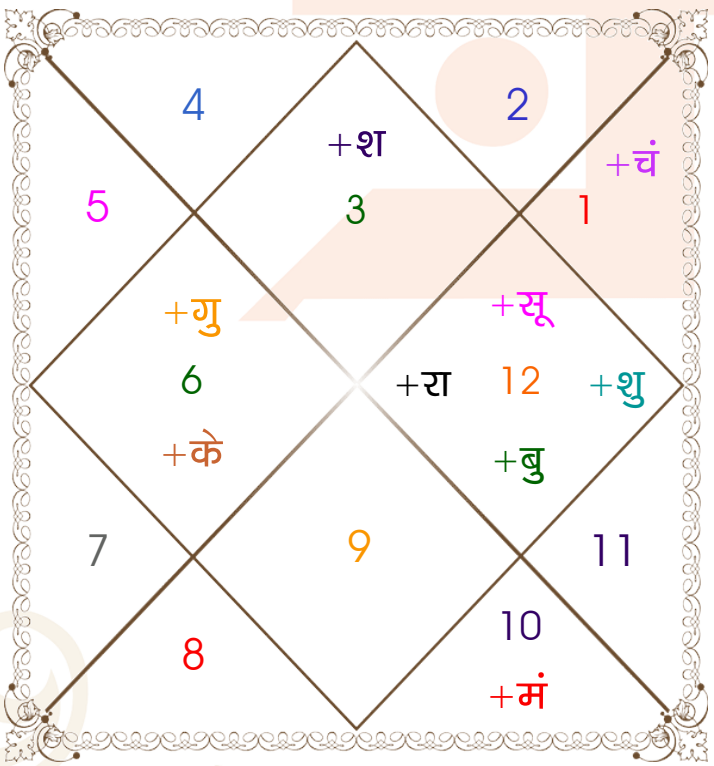

चन्द्र कुंडली

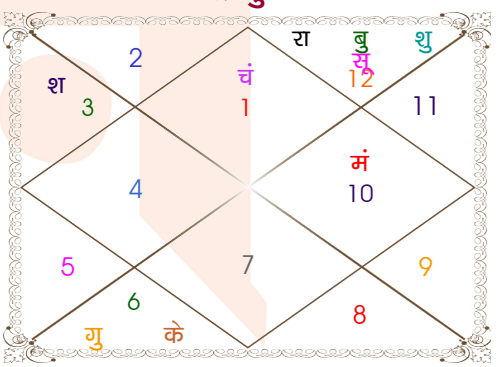

नवमांश कुंडली

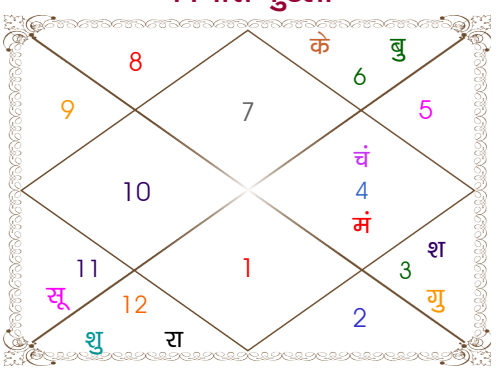

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 0 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/04/2005		24/04/2005		24/04/2025		24/04/2031		24/04/2041	
24/04/2005		24/04/2025		24/04/2031		24/04/2041		24/04/2048	
	00/00/0000	शुक्र	23/08/2008	सूर्य	11/08/2025	चंद्र	23/02/2032	मंगल	20/09/2041
	00/00/0000	सूर्य	24/08/2009	चंद्र	10/02/2026	मंगल	23/09/2032	राहु	09/10/2042
	00/00/0000	चंद्र	24/04/2011	मंगल	18/06/2026	राहु	25/03/2034	गुरु	14/09/2043
	00/00/0000	मंगल	24/06/2012	राहु	13/05/2027	गुरु	25/07/2035	शनि	23/10/2044
	00/00/0000	राहु	24/06/2015	गुरु	29/02/2028	शनि	22/02/2037	बुध	20/10/2045
	00/00/0000	गुरु	22/02/2018	शनि	10/02/2029	बुध	24/07/2038	केतु	19/03/2046
	00/00/0000	शनि	24/04/2021	बुध	17/12/2029	केतु	23/02/2039	शुक्र	19/05/2047
	10/04/2005	बुध	23/02/2024	केतु	24/04/2030	शुक्र	23/10/2040	सूर्य	24/09/2047
बुध	24/04/2005	केतु	24/04/2025	शुक्र	24/04/2031	सूर्य	24/04/2041	चंद्र	24/04/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/04/2048		24/04/2066		24/04/2082		25/04/2101		25/04/2118	
24/04/2066		24/04/2082		25/04/2101		25/04/2118		11/04/2125	
राहु	05/01/2051	गुरु	11/06/2068	शनि	27/04/2085	बुध	22/09/2103	केतु	21/09/2118
गुरु	30/05/2053	शनि	24/12/2070	बुध	05/01/2088	केतु	18/09/2104	शुक्र	21/11/2119
शनि	05/04/2056	बुध	31/03/2073	केतु	13/02/2089	शुक्र	20/07/2107	सूर्य	28/03/2120
बुध	24/10/2058	केतु	06/03/2074	शुक्र	15/04/2092	सूर्य	25/05/2108	चंद्र	27/10/2120
केतु	11/11/2059	शुक्र	04/11/2076	सूर्य	27/03/2093	चंद्र	25/10/2109	मंगल	25/03/2121
शुक्र	11/11/2062	सूर्य	24/08/2077	चंद्र	27/10/2094	मंगल	22/10/2110	राहु	13/04/2122
सूर्य	06/10/2063	चंद्र	24/12/2078	मंगल	06/12/2095	राहु	10/05/2113	गुरु	20/03/2123
चंद्र	06/04/2065	मंगल	30/11/2079	राहु	12/10/2098	गुरु	16/08/2115	शनि	28/04/2124
मंगल	24/04/2066	राहु	24/04/2082	गुरु	25/04/2101	शनि	25/04/2118	बुध	11/04/2125

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।